क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रेस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्प्लेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक

क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्प्लेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्षः 1 अंकः 352, मंगलवार, 22 जनवरी, 2019, पेजः 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Aadhaar का महत्व बढ़ा, कुछ लोगों के लिए पासपोर्ट की तरह करेगा काम, जानें शर्त

नई दिल्ली: गृह मंत्रालय ने नेपाल और भूटान की यात्रा करने के लिए पासपोर्ट की अनिवार्यता खत्म कर दी है, हालांकि इसकी एक शर्त है. भारत के नागरिक जिनकी उम्र 15 साल से नीचे और 65 साल से ऊपर है, वे अब आधार कार्ड दिखाकर इन दो देशों की यात्रा कर सकते हैं. यहां आधार का इस्तेमाल पासपोर्ट की तरह किया जा सकता है. गृह मंत्रालय ने प्रेस नोट जारी कर इसकी जानकारी दी है. जानकारी के लिए बता दें कि इन दो देशों की यात्रा के लिए वीजा की जरूरत नहीं होती है.

प्रेस नोट के मुताबिक, भारत के किसी भी नागरिक जिनके पास लीगल पासपोर्ट, भारत सरकार की तरफ से जारी फोटो पहचान पत्र या वोटर आई कार्ड है तो उन्हें नेपाल और भूटान की यात्रा करने में वीजा की जरूरत नहीं होगी. वर्तमान नियम के मुताबिक, 15 साल से कम और 65 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को अपनी पहचान के तौर पर पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड जैसे प्रूफ दिखाने पड़ते थे. आधार को पहचान के तौर पर नहीं एक्सेप्ट किया जा रहा था. लेकिन, ये लोग अब आधार कार्ड का इस्तेमाल कर सकते हैं.

भारतीय नागरिकों के लिए भारतीय दूतावास, काठमांडू द्वारा जारी पंजीकरण प्रमाण पत्र भारत और नेपाल के बीच यात्रा के लिए स्वीकार्य यात्रा दस्तावेज नहीं है. हालांकि, नेपाल में भारतीय दूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकालीन प्रमाण पत्र और पहचान प्रमाण पत्र भारत वापसी की यात्रा करने के लिए केवल एक यात्रा के वास्ते मान्य होगा.

इसके अलावा 15 से 18 साल के किशोरों को उनके स्कूल के प्रधानाचार्य द्वारा जारी पहचान प्रमाण पत्र के आधार पर भारत और नेपाल के बीच यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी. भूटान की यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों के पास छह महीने की न्यूनतम वैधता के साथ या तो भारतीय पासपोर्ट या भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मतदाता पहचान पत्र होना चाहिए.

भारत के कई राज्यों की सीमा भूटान से सटती है. सिक्किम, असम, अरुणाचल प्रदेश में लगभग 60 हजार भारतीय ऐसे हैं जो यहां की यात्रा लगातार करते रहते हैं. ये लोग पनबिजली और निर्माण उद्योग में काम करते हैं. इसके अलावा, सीमावर्ती कस्बों में हर रोज 8,000 से 10,000 के बीच दैनिक कर्मचारी भूटान आते-जाते हैं. विदेश मंत्रालय के आकड़े के अनुसार लगभग छह लाख भारतीय नेपाल में रहते है. नेपाल पांच भारतीय राज्यों- सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1,850 किलोमीटर से अधिक सीमा साझा करता है.

सार-समाचार

इस एक वजह से अब लगातार बढ़ते जाएंगे पेट्रोल-डीजल के दाम, जानिए ऐसा क्यों होगा?

नई दिल्ली: पिछले 12 दिन से पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं. कभी 20 पैसे तो कभी 25 पैसे की हर रोज बढ़ोतरी से पेट्रोल-डीजल की कीमतें एक बार फिर पुराने स्तर पर पहुंचती नजर आ रही हैं. पिछले 15 दिन का हिसाब लगाया जाए तो दिल्ली में पेट्रोल करीब पौने तीन रुपए और डीजल करीब साढ़े तीन रुपए महंगा हो चुका है. इससे पहले 5 जनवरी को दिल्ली में पेट्रोल जहां 68 रुपए 29 पैसे और डीजल 62 रुपए 16 पैसे प्रति लीटर मिल रहा था, वो अब 71 रुपए 14 पैसे प्रति लीटर और डीजल 65 रुपए 71 पैसे प्रति लीटर पहुंच चुका है.

क्यों महंगा होता पेट्रोल-डीजल ?

कच्चा तेल 2 महीने की ऊंचाई पर है. इस समय कच्चे तेल की कीमतें 63 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गई हैं. ऐसे में आगे भी पेट्रोल-डीजल के कीमतों में इजाफा हो सकता है.

क्यों बढ़ा कच्चा तेल ?

ज़ी बिजनेस के कमोडिटी एडिटर मृत्युंजय कुमार झा के मुताबिक इसकी दो वजह हैं. पहली चीन की इकोनॉमिक ग्रोथ को लेकर चिंता कम हुई है. चीन के जो GDP डेटा आए हैं, भले ही वो पिछले दो दशक में सबसे कम हैं, लेकिन वो उतने खराब नहीं जितना की उम्मीद की जा रही थी. ऐसे मे आने वाले दिनों में क्रूड ऑयल के दाम बढ़ सकते हैं. दूसरा, S-चीन के बीच ट्रेड वॉर टेंशन कम होने की उम्मीद से भी तेजी बन रही है.

कच्चे तेल में एकदम नहीं आएगा उछाल

मृत्युंजय कुमार झा ने बताया कि अमेरिका में अब भी कच्चे तेल का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर है, ऐसे में बहुत घबराने की स्थिति नहीं है. क्रूड में तेजी रहेगी, लेकिन ये 60 से 70 डॉलर प्रति बैरल के बीच ही रहेगा.

वाहन क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिये मोटर सुजुकी इंडिया की पहल

नयी दिल्ली। देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी मोटर सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने वाहन क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सोमवार को एक कार्यक्रम की शुरूआत की। मॉबिलिटी एंड आटोमोबाइल इनोवेशन लैब (एमएआईएल) कार्यक्रम के तहत मारुति, स्टार्टअप कंपनियों के सहारे नए और अत्याधुनिक समाधान की पहचान करेगी।

मारुति सुजुकी ने बयान में कहा कि यह देश में बढ़ती प्रतिभाओं को मंच प्रदान करेगा ताकि वे अपनी उद्यमिता क्षमताओं का प्रदर्शन राष्ट्रीय स्तर पर कर सके। एमएसआई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी केनिची अयुकावा ने कहा, "भारतीय वाहन उद्योग लगातार विकसित हो रहा है। अब समय आ गया है कि नवोन्मेष की संस्कृति को बढ़ावा दिया जाए।"

क्या आप जानते हैं एक ऐसा बैंक है, जहां चलती है केवल 'भगवान राम' की मुद्रा

प्रयागराज। कुंभ में बिना किसी एटीएम या चेक बुक वाला एक ऐसा अनोखा 'राम नाम बैंक' सेवाएं दे रहा है जहां केवल 'भगवान राम' की मुद्रा चलती है और ब्याज के रूप में आत्मिक शांति मिलती है। यह ऐसा बैंक है जिसमें आत्मिक शांति की तलाश कर रहे लोग करीब एक सदी से पुस्तिकाओं में भगवान राम का नाम लिखकर जमा करा रहे हैं।

इस अनूठे बैंक का प्रबंधन देखने वाले आशुतोष वार्ष्णेय के दादा ने 20वीं सदी की शुरूआत में संगठन की स्थापना की थी। आशुतोष अपने दादा की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। आशुतोष ने कुंभ मेले के सेक्टर छह में अपना शिविर लगाया है। उन्होंने कहा, ''इस बैंक की स्थापना मेरे दादा ईश्वर चंद्र ने की थी, जो कारोबारी थे। अब इस बैंक में विभिन्न आयु वर्गों एवं धर्मों के एक लाख से अधिक खाता धारक हैं।''उन्होंने बताया, ''यह बैंक एक सामाजिक संगठन 'राम नाम सेवा संस्थान' के तहत चलता है और कम से कम नौ कुंभ मेलों में इसे स्थापित किया जा चुका है।'' बैंक में कोई मौद्रिक लेनदेन नहीं होता। इसके सदस्यों के पास 30 पृष्ठीय एक पुस्तिका होती है जिसमें 108 कॉलम में वे प्रतिदिन 108 बार 'राम नाम' लिखते हैं।

नीरव मोदी घोटाले में गई PNB के दो एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर्स की नौकरी

नई दिल्ली: सरकार ने नीरव मोदी बैंक घोटाले में घिरे पंजाब नेशनल बैंक (PNB) के दो एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर्स को बैंक के कामकाज पर पूरी निगरानी न रख पाने और उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी में असफल होने के कारण नौकरी से निकाल दिया है. वित्त मंत्रालय की एक अधिसूचना के अनुसार दोनों एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर्स केवी ब्रह्माजी राव और संजीव शरण को 18 जनवरी को बर्खास्त किया गया.

स्विफ्ट में हुए फेल

आरोप है कि ये अधिकारी स्विफ्ट (सोसायटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशन) को बैंक के कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (CBS) से जोड़ने की भारतीय रिजर्व बैंक की सलाह को मानने में फेल रहे. दोनों सिस्सटम को जोड़ने का ये सर्कुलर 2016 में जारी किया गया था. कुछ बैंकों ने इस निर्देश का क्रियान्वयन किया था जबकि PNB सहित कुछ अन्य बैंक ऐसा करने में विफल रहे थे.

और भी नौकरियां गईं

पिछले साल अगस्त में सरकार ने इलाहाबाद बैंक की उषा अनंतसुब्रमण्यम को देश के सबसे बड़े बैंकिंग घोटाले में बर्खास्त कर दिया था. हीरा कारोबारी नीरव मोदी इस घोटाले का सूत्रधार है. इलाहाबाद बैंक में जाने से पहले उषा PNB की प्रबंध निदेशक और CEO थीं. नीरव मोदी और उसके मामा मेहुल चोकसी ने कथित रूप से धोखाधड़ी से हासिल गारंटी पत्रों के जरिए पीएनबी को 14,000 करोड़ रुपये का चूना लगाया था.

#10YearsChallenge: खेल नहीं सबसे 'बड़ा धोखा' निकला, क्या आपने भी FB पर कुछ पोस्ट किया था?

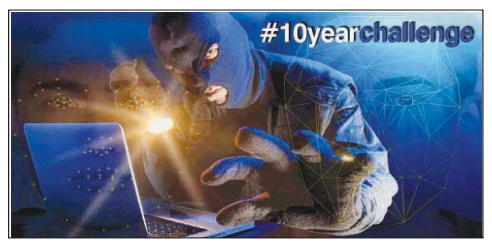

नई दिल्ली: डिजिटल क्रांति के युग में दुनिया अभी ऐसे दौर में हैं, जहां कोई भी चैलेंज रातोंरात हिट हो जाता है. ऐसा ही एक चैलेंज पिछले दिनों शुरू हुआ, जिसका नाम था #10YearsChallenge. इस चैलेंज में लोगों ने न सिर्फ फेसबुक बल्कि इंस्टाग्राम सहित दूसरी सोशल वेबसाइट्स पर भी दो तरह की फोटो डाली. एक थी ताजा फोटो और दूसरी थी 10 साल पुरानी. कहने को तो ये बड़ा मजेदार था, लेकिन इस चैलेंज पर दुनिया के कई टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स ने सवाल खड़े कर दिए हैं. एक्सपर्ट्स का कहना है कि ताजा फोटो के जरिए आपका फेसियल रिकग्नाइजेशन चोरी हुआ है. आसान भाषा में कहें, तो आपका वो डेटा चोरी हो गया जो आपकी चीजों को सुरक्षित करता है. करीब 5.5 करोड़ यूजर्स इस हैशटैग के साथ फेसबुक और इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कर चुके हैं.

आपको नुकसान क्या हुआ ?

इसे ऐसे समझिए पहले पासवर्ड या पिन से चीजें सुरक्षित होती थीं. फिर उंगलियों के निशान चलन में आ गए. और अब जिस तकनीक पर काम हो रहा है वो है फेसियल रिकग्नाइजेशन. मतलब, फोन का लॉक खोलने से लेकर कोई पेमेंट करने तक बस आपका चेहरा स्कैन करने की जरूरत होती है. दावा है कि अब आप कैसे दिखते हैं, इसे पहचाने के लिए #10YearsChallenge का सहारा लिया गया. न सिर्फ भारत बल्कि दुनियाभर के बड़े से बड़े सेलेब्रिटी, उद्योगपति और सामाजिक लोगों ने इस चैलेंज में हिस्सा लिया. यहां तक कि ये चैलेंज फेसबुक के जरिए भारत के छोटे शहरों से होता हुआ गांवों तक पहुंच गया और इस तरह टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स ने दावा किया कि बड़े पैमाने पर आपका ताजा डेटा चोरी किया गया.

कैसे हो सकता है डेटा का इस्तेमाल ?

इस अभियान के जरिए ऑर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (AI) पर काम करने वाली मशीन को किसी व्यक्ति की ऐसी दो तस्वीरें मिल जाएंगी, जिनमें 10 साल का अंतर है. इनकी मदद से मशीन के लिए यह समझना आसान होगा है कि 10 साल में उस व्यक्ति का चेहरा कितना और किस तरह बदला. बड़े पैमाने पर ऐसे डेटा के अध्ययन से ऐसा एल्गोरिदम तैयार करना संभव हो सकता है, जिसकी मदद से किसी भी व्यक्ति की 10 साल पुरानी तस्वीर के जरिए उसकी आज की शक्ल का सटीक अंदाजा लग सके. ये एक तरह से आपकी पहचान चोरी करने का माध्यम बन सकता है.

किसने उठाई आवाज ?

लेखिका केट ओ'नील ने अपनी पोस्ट में इस पूरे अभियान के पीछे की मंशा पर ही सवाल उठाया. उनका कहना है कि इस अभियान के नाम पर लोग अनजाने में ही बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों को एक खास किस्म का डाटा सौंप रहे हैं. केट प्रौद्योगिकी और तकनीकी लेखन के क्षेत्र में एक जाना-पहचाना नाम हैं. इसलिए अभियान पर उनके संदेह जताने के बाद कई एक्सपर्ट्स भी इस पर संदेह जताने लगे हैं. केट को लगता है कि यह अभियान महज तस्वीरें साझा करने का नहीं है, बल्कि बड़ी टेक कंपनियां इसकी मदद से खास डाटा जुटा रही हैं. यह अभियान कंपनियों को बैठे-बिठाए लोगों की शक्ल पहचानने का मौका दे रहा है. इसकी मदद से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (ढ्ढ) के क्षेत्र में काम कर रही कंपनियां लोगों की शक्ल पहचानने के लिए ज्यादा कारगर सॉफ्टवेयर विकसित करने में सक्षम हो सकती हैं. और ये तो सभी जानते हैं कि फेसबुक पर डेटा चोरी के कितने आरोप लग रहे हैं, हालांकि इस मामले में फेसबुक ने डेटा चोरी न करने को लेकर सफाई दी है.

जानिए Reliance Jio, Vodafone और BSNL के एनुअल प्लान में क्या है खास

नई दिल्ली: रिलायंस जियो के आने के बाद टेलीकॉम का मार्केट पूरी तरह उसके इर्द-गिर्द घूम रही है. दूसरे टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स को लगातार अपने प्लान में बदलाव करने पड़ रहे हैं साथ ही नए प्लान भी लांच करने पड़ रहे हैं, जिससे कि वे कॉम्पीटिशन में बने रह सकें. इस बीच सभी टेलीकॉम कंपनियों ने एनुअल प्लान में बदलाव किया है.

Reliance Jio का एनुअल प्लान

रिलायंस जियो का एनुअल प्लान 1699 रुपये का है. इसकी वैलिडिटी 365 दिनों की है. इस प्लान में रोजाना 1.5 जीबी डेटा मिल रहा है. इसके अलावा अनलिमिटेड लोकल और एसटीडी कॉलिंग की सुविधा है. रोजाना 100 स्स्र्स भी भेजे जा सकते हैं. 24 घंटे में 1.5जीबी डेटा खत्म हो जाने के बाद इसकी स्पीड घटकर 64kbps हो जाती है.

Vodafone का एनुअल प्लान

वोडाफोन का एनुअल प्लान 1499 रुपये का है. इसकी वैलिडिटी 365 दिनों की है. इस दौरान अनलिमिटेड लोकल और एसटीडी कॉलिंग मुफ्त है. इसके अलावा रोजाना 100 स्स्र्स भी मिल रहा है. बात अगर डेटा की करें तो रोजाना 1 जीबी डेटा मिलेगा. इसके अलावा वोडाफोन प्ले, लाइव टीवी, मूवी और म्यूजिक का कॉम्प्लिमेंट्री एक्सेस भी मिलता है.

BSNL का एनुअल प्लान

भारतीय संचार निगम लिमिटेड का एनुअल प्लान 1699 रुपये का है. इसकी वैलिडिटी 365 दिनों की है. रोजाना 1.4 जीबी डेटा मिलेगा. इसके अलावा 100 स्स्र्स रोज मिलते हैं. यूजर्स को एयरटेल टीवी, विंक म्यूजिक कॉम्प्लिमेंट्री में दिया जाता है.Airtel की बात करें तो इसका कोई एनुअल प्लान नहीं है. हालांकि, 509 रुपये के प्लान की वैलिडिटी 90 दिनों की है. रोजाना 1.4 जीबी डेटा मिलता है. इस दौरान अनलिमिटेड लोकल और एसटीडी कॉलिंग फ्री है. साथ ही रोजाना 100 स्स्र्स भी मिलेंगे.

'हलवा सेरेमनी' के साथ बजट की तैयारी शुरू, वित्त राज्यमंत्री ने कर्मचारियों का मुंह मीठा कराया

इस कार्यक्रम के बाद बजट से संबंधित जितने भी अधिकारी और मंत्री हैं वे वित्त मंत्रालय के ऑफिस में बंद हो जाते हैं. बजट जारी होने तक बाहर निकलने की इजाजत नहीं होती है.

नई दिल्ली: एक फरवरी को मोदी सरकार की तरफ से अंतिरम बजट पेश किया जाएगा. हर साल परंपरा के मुताबिक बजट (General Budget 2019) पेश करने से कुछ दिन पहले 'हलवा सेरेमनी' का आयोजन किया जाता है. इस कार्यक्रम का मतलब होता है कि बजट के लिए जो मसौदा तैयार किया गया है उसकी प्रिंटिंग अब शुरू हो गई है. इस कार्यक्रम में वित्तमंत्री अरुण जेटली नहीं दिखे. उनकी गैर मौजूदगी में वित्त राज्यमंत्री शिव प्रताप शुक्ला, वित्तीय मामलों के आर्थिक सचिव सुभाष गर्ग और सड़क परिवहन राज्यमंत्री राधाकृष्ण हलवा खाते दिखे.

इस कार्यक्रम के बाद बजट (Budget 2019) से संबंधित जितने भी अधिकारी और मंत्री हैं वे वित्त मंत्रालय के ऑफिस में बंद हो जाते हैं. बजट पेश होने तक किसी को बाहर निकलने की इजाजत नहीं होती है. यहां तक कि वे अपने घरवालों से भी संपर्क नहीं कर सकते हैं. इसके तहत नॉर्थ ब्लॉक में बने प्रिंटिंग प्रेस में अगले कुछ दिनों तक वित्त मंत्रालय के करीब 100 कर्मचारी रहते हैं. इनमें से कोई भी फोन पर भी बाहरी दुनिया से संपर्क नहीं कर सकता है. केवल एक लैंडलाइन लगी होती है जिसपर इनकमिंग कॉल की सुविधा होती है.

इन लोगों के लिए डॉक्टरों की एक पूरी टीम हमेशा तैनात होती है. इंटरनेट कनेक्शन काट दिया जाता है और मोबाइल नेटवर्क को जैमर की मदद से जाम कर दिया जाता है. बाहर से किसी को जाने की इजाजत नहीं है. ऐसे में अगर किसी इमरजेंसी में अगर बाहर से किसी को अंदर जाना हो तो सुरक्षाबलों की मौजूदगी में उसे अंदर ले जाया जाता है. इसके साथ ही जहां प्रिंटिंग का काम होता है वहां भी केवल कुछ ही अधिकारियों को जाने की इजाजत होती है.उम्मीद की जा रही है कि इस बजट में मोदी सरकार मीडियम क्लास को राहत दे सकती है. आयकर छूट की सीमा बढ़ाई जा सकती है. वर्तमान में यह छूट 2.5 लाख है जिसे बढ़ाकर 5 लाख किया जा सकता है. इसके अलावा टैक्स की दरों में भी बदलाव किया जा सकता है.

सालाना 10 लाख करोड़ डॉलर का काम करती हैं महिलाएं, लेकिन अफसोस इसका कोई रिकॉर्ड नहीं!

oxfam report:घरेलू कामों में शहरी महिलाएं प्रतिदिन 312 मिनट और ग्रामीण महिलाएं औसतन 291 मिनट लगाती हैं.

नई दिल्ली: समाज में महिला और पुरुषों को बराबरी का हक मिला है, लेकिन इसकी जमीनी सच्चाई क्या है ये सब जानते हैं. इंटरनेशनल ग्रुप ऑक्सफेम ने दावोस में होने वाले वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम से ठीक पहले एक रिपोर्ट जारी की है, जो ये बताती है कि महिला और पुरुषों में कितनी गैरबराबरी है. दुनिया भर में घर और बच्चों की देखभाल करते हुए महिलाएं सालभर में कुल 10 लाख करोड़ डॉलर के बराबर ऐसा काम करती हैं जिसका न तो उन्हें कोई भुगतान किया जाता है, और न ही इसका कोई रिकॉर्ड है. महिलाओं के काम की ये वैल्यू, दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी एप्पल के सालाना कारोबार का 43 गुना है.

भारत की क्या स्थिति ?

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में महिलाएं घर और बच्चों की देखभाल जैसे बिना वेतन वाले जो काम करती है, उसका मूल्य देश के सकल घरेलू उत्पाद (त्नष्ठक्क) के 3.1 प्रतिशत के बराबर है. इस तरह के कामों में शहरी महिलाएं प्रतिदिन 312 मिनट और ग्रामीण महिलाएं 291 मिनट लगाती हैं. इसकी तुलना में शहरी क्षेत्र के पुरुष बिना भुगतान वाले कामों में सिर्फ 29 मिनट ही लगाते हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले पुरुष 32 मिनट खर्च करते हैं. ऑक्सफेम की रिपोर्ट कहती है कि भारत सहित अन्य देशों में आर्थिक असमानता से सबसे ज्यादा महिलाएं और लड़कियां प्रभावित हो रही हैं. यहां पुरुषों की तुलना में महिलाओं को वेतन वाले काम मिलने के आसार कम होते हैं. यहां तक की भारत के 119 अरबपतियों की सूची में सिर्फ 9 महिलाएं हैं.

महिलाओं के साथ असमानता

रिपोर्ट में कहा गया है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को काम के बदले कम वेतन मिलता है. महिलाओं और पुरुषों के वेतन में काफी अंतर है. इसलिए महिलाओं की कमाई पर निर्भर रहने वाले परिवार गरीब रह जाते हैं. देश में स्त्री-पुरुष के वेतन का अंतर 34 प्रतिशत है. यह भी सामने आया है कि जाति, वर्ग, धर्म, आयु और स्त्री-पुरुष भेदभाव जैसे कारणों का भी महिलाओं के प्रति असमानता पर प्रभाव पड़ता है. ऑक्सफैम ने ग्लोबल स्त्री-पुरुष असमानता सूचकांक 2018 में भारत की खराब रैंकिंग (108वें पायदान) का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें 2006 के मुकाबले सिर्फ 10 स्थान की कमी आई है. भारत वैश्विक औसत से काफी पीछे है. यही नहीं, इस मामले में वह चीन और बांग्लादेश जैसे अपने पड़ोसी देश से भी पीछे है.

संपादकीय

अस्वाभाविक जैसा कुछ नहीं

लकाता के परेड ग्राउंड से विपक्षी नेताओं ने आगामी चुनाव के लिए जो सम्मिलित बिगुल फूंकने की कोशिश की है उसमें अस्वाभाविक जैसा कुछ नहीं है। नरेन्द्र मोदी सरकार और भाजपा के विरुद्ध जिन दलों को चुनाव लड़ना है, वे पहले से चिह्नित हैं। उनका स्वर हमलावर रहना ही है। कोलकाता रैली में यही दिखा है। चुनाव पूर्व राजनीतिक समीकरणों पर इससे कोई अंतर नहीं आने वाला है। जिन दलों के बीच गठबंधन होना है, उनका निर्धारण भी वहां से नहीं होना था। वे लगभग तय हैं। एक मंच पर इकट्ठा होने का अर्थ यह था ही नहीं कि वह सब चुनाव भी मिलकर लड़ेंगे। स्वयं ममता बनर्जी ने ही कांग्रेस को गठबंधन में शामिल करने की वहां कोई घोषणा नहीं की। उन्होंने केवल मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। अरविन्द केजरीवाल दिल्ली में अकेले लड़ेंगे तो चन्द्रबाबू नायडू भी आंध्र प्रदेश में एकला चलो के ही रास्ते पर हैं। बावजूद इन नेताओं के एक स्वर में किए गए घोष वादन से चुनावी माहौल गरम हो गया है। स्वर यही है कि हमारे बीच भले कुछ मतभेद हैं पर भाजपा को हराने के मामले में हम सब एक हैं। ऐसी रैलियों से आम मतदाता के बीच संदेश जाता है कि देश भर के इतने दल और नेता समय पड़ने पर भाजपा के विरुद्ध साथ आ सकते हैं। इस संदेश से मोदी विरोधी मतदाताओं के एक तबके के अंदर यह उम्मीद पैदा हो सकती है कि उनका मत व्यर्थ नहीं जाएगा। रैली का एक प्रमुख उद्देश्य देश भर के ऐसे मतदाताओं को प्रभावित करना भी था। यह कितना असर डाल पाएगा, इसका आकलन अभी कठिन है। भारत जैसे देश में अलग-अलग क्षेत्रों के मतदाताओं की सोच को एकरूप कर देना आसान नहीं है। मोदी इस समय भी देश के अकेले सर्वाधिक लोकप्रिय चेहरा हैं। भाजपा मोटा-मोटी अखिल भारतीय स्वरूप की पार्टी हो चुकी है। उनकी और भाजपा नेताओं की चुनावी रैलियां अब आरंभ होने वाली हैं। जो नेता कोलकाता में इकट्ठे हुए थे उनमें से ज्यादातर को इसके बाद अपने-अपने राज्यों में मोदी और भाजपा या उसके सहयोगी दलों का मुकाबला करना है। मतदान तक उनके पास इतना समय नहीं होगा कि वे इस तरह बार-बार इकट्ठे मंच पर आ सकें। इसका अर्थ हुआ मोदी और भाजपा तथा राजग के नेताओं के तीखे वाणों का इन्हें अलग-अलग सामना करना होगा। वास्तव में कोलकाता रैली ने इस संभावना को और पुख्ता किया है कि मोर्चाबंदी पूर्व कल्पना से कहीं ज्यादा सघन और तीखी होगी।

तीन संदिग्ध अंडर्वल्ड अपराधि

पुलिस की विशेष शाखा द्वारा तीन संदिग्ध अंडर्वल्ड अपराधियों की गिरफ्तारी ने एक नई सनसनी पैदा की है। गिरफ्तार अपराधियों में एक वली मोहम्मद सैफी अफगानिस्तानी नागरिक है, दूसरा शेख रियाजुद्दीन उर्फ राजा उर्फ आलमी दिल्ली के मदनगीर का निवासी है, जबकि तीसरा मुहतासिम सीएम है, जो केरल निवासी है। अगर पुलिस की मानें तो इनकी योजना भारत के कुछ महत्त्वपूर्ण लोगों की हत्या करनी थी। इन्हें आतंकवादी कहें या अपराधी इसका फैसला करना जरा कठिन है। अगर पुलिस का दावा सही है तो इसे एक बड़ी सफलता मानना चाहिए। अगर इनकी सूचना पर विास करें तो ये तीनों पाकिस्तान के डॉन रसूल खान की योजना पर काम कर रहे थे। यह वही रसूल खान है जिसका नाम 2003 में गुजरात के पूर्व गृहमंत्री हरेन पांड्या की हत्या में सामने आया था। इसका मतलब हुआ कि रसूल खान तब से अभी तक भारत केंद्रित अपराधों में लगा हुआ है। पुलिस ने उन नामों का खुलासा नहीं किया है, जो इनके निशाने पर थे। किंतु अगर राजधानी से दो तथा दक्षिण के केरल से एक गिरफ्तार होता है तो इसका पहला निष्कर्ष यही है कि इनका जाल देश में है और सूत्र तथा संपर्क विदेश से जुड़ा है। मुहतासिम सीएम और वली मोहम्मद सैफी की दुबई में मुलाकात हुई थी।

दोनों की वहां दोस्ती हो गई और वे साथ मिलकर इतने बड़े अपराध की साजिश में साथ काम करने को तैयार हो गए। कहानी इतनी सरल और सीधी नहीं हो सकती। अगर इनने बड़े लोगों की हत्या का निश्चय किया तो उसके पीछे कुछ उद्देश्य होगा। क्या हो सकते हैं वे उद्देश्य? वली मोहम्मद सैफी का दुबई में कारोबार था। वह कारोबार छोड़कर भारत में हत्याएं करने के लिए आ गया तो इसके पीछे कोई बड़ी प्रेरणा भी होगी। इन सबका संपर्क रसूल खान से कैसे हुआ और कहां इन्हें हत्या करने के लिए तैयार किया गया? रसूल खान के पीछे भी पाकिस्तान में कोई हाथ होगा। वह वहां का सत्ता प्रतिष्ठान भी हो सकता है और गैर राज्यीय शक्तियां भी। पाकिस्तान के अंदर आतंकवाद और अपराध में दोनों की समानांतर सत्ता है। ये ऐसी बातें हैं, जो पूरी छानबीन की मांग करती है, जिनसे सारा सच सामने आ सके। उम्मीद है कि दिल्ली पुलिस गहन छानबीन के बाद पूरा सच लेकर सामने आएगी।

सत्संग

'आत्मा

आत्म विश्लेषण का अर्थ है प्रवृत्तियों के मूल कारण की तलाश करना। अर्थात द्वेषपूर्ण भावनाएं जिस आधार पर उठीं, उस आधार को ढूंढ़ना और उसे नष्ट करना। आत्म निरीक्षण का अर्थ है अपने विचारों और कायरे की न्यायपूर्ण समीक्षा करना। बुराइयां पक्षपातपूर्ण विचार पद्धति के कारण ही उठती हैं। मनुष्य की यह सबसे बड़ी भूल है कि वह जिस वस्तु को चाहता है, उसे किसी न किसी भूमिका के साथ टिका देता है। इसी को विचार-कायरे का पक्षपात कहते हैं। जैसे बीड़ी, सिगरेट या अन्य कोई मादक पदार्थ सेवन करने वालों की हमेशा यह दलील रहती है कि उससे उन्हें शांति मिलती है या मानसिक तनाव दूर होता है। कई तो यहां तक कहते हैं कि बीड़ी-सिगरेट न पिएं तो हाजमा ही नहीं होता। उनकी दलीलें मन बहलाव के लिए गढ़ी बातें हैं। वस्तुत: उनसे मानसिक परेशानियां तथा स्वास्थ और पाचन पणाली में शिथिलता ही आती है। अपने गुण और दोष देखने में जब तक ईमानदारी और सच्चा दृष्टिकोण नहीं अपनाते संस्कार परिवर्तन में तभी तक परेशानी रहती है। मनुष्य आत्म दुर्बल तभी तक रहता है, जब तक वह आत्म विवेचन का सच्चा स्वरूप ग्रहण नहीं करता। झूठे प्रदर्शनों और स्वार्थपूर्ण आचरण के कारण ही जीवन में परेशानियां आती हैं। सच्चाई की मस्ती ही अनुपम है। उसकी एक बार जो क्षणिक अनुभूति कर लेता है, वह उसे जीवनपर्यंत छोड़ता नहीं। सत्य मनुष्य को ऊंचा उठाता है, साधारण स्थिति से उठाकर परमात्मा के समीप पहुंचा देता है। सत्संस्कारों का बल, कुसंस्कारों की अपेक्षा अनंत गुना अधिक होता है, किंतु कुसंस्कारों में जो क्षणिक सुख और तृप्ति दिखाई देती है, उसी के कारण लोग दुष्कर्मों की ओर बड़ी जल्दी खिंच जाते हैं। अतएव जब कभी ऐसे अनिष्टकारी विचार मस्तिष्क में उठें तब उनसे भागने या शीघ्र निर्णय का प्रयत्न करना चाहिए। किसी बुराई से डरने या भागने से वह जीवन का अंग बन जाती हैं। किंतु जब विचारों में मौलिक परिवर्तन करते हैं और बुराई की गहराई तक छान-बीन करते हैं तो अंत:करण की दिव्य ज्योति के समक्ष सच-झूठ स्पष्ट हो जाता है। लोग बुराइयों से सावधान हो जाते हैं। आत्मनिरीक्षण के साथ विचार पद्धति शुभ संस्कार बढ़ाने का दूसरा उपाय है। इसके लिये जरूरी है कि जो भी काम करें, पहले उस पर विचार कर लें। यदि वह वस्तु उपयोगी दिखाई दे तो उसे कोशिश करके अपने जीवन में धारण करें, अन्यथा उसे त्याग दें।

विरोधी विपक्षी एकता की कोशिशो

जो नेता मंच पर आए उनमें से ज्यादातर का अपने-अपने प्रदेशों में जनाधार है और वे सब कम या ज्यादा मात्रा में चुनाव परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। इसलिए उस एकत्रीकरण को भारतीय राजनीति के लिए महत्त्वहीन कहकर खारिज करने वाले दुराग्रहपूर्ण एकपक्षीय आकलन कर रहे हैं। इतने नेता एक मंच से केंद्र सरकार के विरुद्ध आग उगलें तो इसका कोई संदेश जाएगा ही।यह बात सही है कि इसका आकलन करते समय हम केवल जो नेता वहां गए उन्हीं तक सीमित नहीं रह सकते, जो नहीं गए वह भी बड़े कारक हैं और उनका विचार किए बिना हम इसके संभावित राजनीतिक परिणामों का आकलन नहीं कर सकते। उसमें दो नाम सबसे बड़े हैं, राहुल गांधी और मायावती। छह महीना पहले रैली की तिथि निश्चित हुई। इसलिए यह तो नहीं माना जा सकता कि उनके पास दूसरी व्यस्ताएं थीं। इसका सीधा अर्थ यही निकाला जा रहा है।

सतीश पेडणोकर

कोलकाता के ऐतिहासिक परेड ग्रांउड में यदि वह 23 दलों के नेताओं को एक मंच पर लाने में सफल हुई तो इसे उनकी तात्कालिक उपलब्धि अवश्य मानी जाएगी। ममता को यह श्रेय तो जाएगा कि लंबे समय से नरेन्द्र मोदी और भाजपा विरोधी विपक्षी एकता की कोशिशों को उन्होंने ऐसा मंच प्रदान किया जिसका संदेश देश भर में गया है। उतने नेता एक साथ इकट्ठे हों और उनको सुनने के लिए सामने कई लाख जनता तो यह राष्ट्रव्यापी आकर्षण और महत्त्व का कार्यकम बनता है। इसलिए इलेक्ट्रोनिक मीडिया को उसे लाइव दिखाना ही था। जो नेता मंच पर आए उनमें से ज्यादातर का अपने-अपने प्रदेशों में जनाधार है और वे सब कम या ज्यादा मात्रा में चुनाव परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। इसलिए उस एकत्रीकरण को भारतीय राजनीति के लिए महत्त्वहीन कहकर खारिज करने वाले दुराग्रहपूर्ण एकपक्षीय आकलन कर रहे हैं।

इतने नेता एक मंच से केंद्र सरकार के विरुद्ध आग उगलें तो इसका कोई संदेश जाएगा ही।यह बात सही है कि इसका आकलन करते समय हम केवल जो नेता वहां गए उन्हीं तक सीमित नहीं रह सकते, जो नहीं गए वह भी बड़े कारक हैं और उनका विचार किए बिना हम इसके संभावित राजनीतिक परिणामों का आकलन नहीं कर सकते। उसमें दो नाम सबसे बड़े हैं, राहुल गांधी और मायावती। छह महीना पहले रैली की तिथि निश्चित हुई। इसलिए यह तो नहीं माना जा सकता कि उनके पास दूसरी व्यस्ताएं थीं। इसका सीधा अर्थ यही निकाला जा रहा है कि ममता के समानांतर प्रधानमंत्री के संभावित दावेदार नहीं आए।

प्रश्न यह भी उठेगा कि वामपंथी दल मोदी विरोधी विपक्ष के अभियान के भागीदार हैं या नहीं? ममता सरकार को लोकतंत्र का गला घोंटने वाली नेता केवल भाजपा या संघ परिवार के घटक ही नहीं कह रहे, वामपंथी दलों की भी यही भाषा है। तो एक मुख्यमंत्री, जिसके राज्य में विपक्षी दलों के लिए स्वतंत्र रूप से राजनीतिक गतिविधियां चलाने की स्थिति तक नहीं हो उसे बदलाव के अभियान का प्रमुख नेता मान लेना सबके गले नहीं उतर सकता। परेड ग्राउंड के मंच से वह अपने भाषण में कह रही थीं कि मैं सांप्रदायिकता फैलाने वाले कार्यक्रम की अनुमति नहीं दूंगी। एक पार्टी, जो केन्द्र की सरकार चला रही है, जिसकी अकेले सबसे ज्यादा राज्यों में सरकारें हैं, उसको आप सांप्रदायिक कहकर राजनीतिक अभियान चलाने से रोकें, इसका समर्थन केवल दुराग्रह और घृणा से भरे हुए लोग और नेता ही कर सकते हैं। मंच पर उपस्थित नेताओं में से भी सभी ममता के इस रवैये से सहमत नहीं होंगे। लेकिन मोदी विरोध की राजनीति करनी है, इसलिए स्वीकार्य हो तो समर्थन करो और अस्वीकार्य हो तो चुप रहो। इतने बड़े राजनीतिक आयोजन की सबसे बड़ी कमजोरी यह रही कि वहां से देश के लिए कोई वैकल्पिक विचार सामने नहीं आया। ऐसा लगा नहीं कि उतने बड़े आयोजन के लिए बोलने की तैयारी करके नेतागण पहुंचे थे। वही लोकतंत्र का दमन, वही संस्थाओं की मौत, राफेल, सांप्रदायिकता, ईवीएम, सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय..। जब आप मोदी और अमित शाह को लोकतंत्र का हत्यारा कहते हैं तो पश्चिम बंगाल में कुछ लोग तो होंगे जिनके मन में प्रश्न उठेगा कि क्या इन नेताओं को ममता का आचरण नहीं दिखाई देता? अरविन्द केजरीवाल मोदी और शाह को हिटलर बता रहे थे तो उनके साथ कम कर चुके उन पूर्व साथियों की क्या प्रतिक्रिया हो रही होगी जिनका उपयोग करके उन्होंने बेरहमी से बाहर जाने को मजबूर किया?

फारूक अब्दुल्ला जब भारतीयता, लोकतांत्रिकता की बात कर रहे थे, ईवीएम को चोर मशीन कह रहे थे तो जिनको जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक इतिहास की ज्ञान है, वह अपना सिर पीटने के अलावा कुछ नहीं कर सकते थे। उसी ईवीएम में केवल सात प्रतिशत मतदान में बहुमत से निर्वाचित नेता मशीन को चोर कहे तो इसे वर्तमान राजनीति की विडम्बना नहीं तो और क्या कहेंगे? हम भारतीयों की याददाश्त कई बार कमजोर दिखती है। अटलबिहारी वाजपेयी की उसी मंच से गुणगान करने वाले भाजपा के असंतुष्ट भूल गए कि ममता ने क्या-क्या आरोप लगाकर उनकी सरकार से बाहर गई थीं। भाजपा और खुद यशवंत सिन्हा के खिलाफ उन्होंने क्या नहीं कहा।

वाजपेयी सरकार पर 1999 के करगिल युद्ध के दौरान सैनिकों के शवों के लिए खरीदे गए ताबूत और कफन में घोटाले के आरोप लगाए गए, रक्षा मंत्री जार्ज फर्नांडीस का लंबा बहिष्कार हुआ और वाजपेयी को मजबूर होकर उनका त्यागपत्र लेना पड़ा। विरोधियों का जो रवैया आज मोदी सरकार के प्रति है, लगभग वही वाजपेयी व उनकी सरकार के प्रति भी था। इन परिप्रेक्ष्यों में विचार करें तो परेड ग्राउंड में देश के बड़े नेताओं का जमावड़ा अनेक प्रश्न खड़ा करता है। वास्तव में भारतीय राजनीति की त्रासदी है कि यहां विरोध के लिए तो विरोध होता है, सत्ता के लिए विरोध होता है, लेकिन वैकल्पिक शासन व राजनीति की रूपरेखा रखने की सामर्य विपक्ष नहीं दिखा पाता। सत्ता बदलाव के संदर्भ में हमारे सामने राष्ट्रीय स्तर पर या तो 1977 में वैकल्पिक राजनीति और शासन का कोई खाका आया था या फिर उसके बाद भाजपा ने ही देश के सामने अपना एजेंडा रखा। हम उनसे असहमत, सहमत हो सकते हैं। किंतु उसके अलावा, शासन बदलाव का वैकल्पिक एजेंडा तो हमारे सामने आया भी नहीं। जो नेता मंच पर आए उनमें से कोई ऐसा था भी नहीं, जिनसे हम ऐसी उम्मीद करें। यह दुर्भाग्य है कि मतदाता के नाते हमारी दृष्टि पार्टियों और नेताओं के विरोध और समर्थन तक सीमित हो गई है। किंतु इसका यह अर्थ नहीं कि आगामी आम चुनाव के लिए परेड ग्राउंड सभा का कोई महत्त्व नहीं है। इसका सबसे बड़ा संदेश ममता बनर्जी ने बिना घोषित किए बंगाल के मतदाताओं को दिया कि विपक्षी नेताओं के बीच उनका बड़ा कद है। आम चुनाव में इसका लाभ उनको मिल सकता है। दूसरे, चुनाव पूर्व बड़ा गठबधन तो नहीं होगा लेकिन इस जमावड़े का परिणाम चुनाव बाद की परिस्थितियों में दिख सकता है। चुनाव बाद इनके साथ आने में कोई बाधा नहीं है। यदि राजग को बहुमत नहीं आया तो वे एक साथ आकर संयुक्त मोर्चा जैसी सरकार बना सकते हैं। यदि राजग को बहुमत आया तो भी ये संगठित विपक्ष के रूप में सरकार की नाक में दम करते रहेंगे।

चलते चलते

''तेरी मेहरबानियां'

गाय की अंतिम क्रिया सम्मानजनक हो इसके लिए भोपाल की नगरपालिका की पहल को चर्चा मिली है। भोपाल नगरपालिका ने गायों के लिए अलग से श्मशान घाट/मुक्तिधाम का प्रस्ताव रखा है। यह पहल सिर्फ इसलिए अच्छी नहीं है।

हिन्दी भाषी क्षेत्रों में गाय एक बेहद संवेदनशील मसला रही है। सामाजिक और राजनीतिक रूप दोनों स्तरों पर। मगर उसकी अंतिम क्रिया एक आम जानवर की तरह होती है। उसे भी अन्य जानवरों के आहार के लिए कहीं फेंक दिया जाता है। यानी उसे मरने के बाद वह सम्मान हासिल नहीं हो पाता, जो जीते जी नसीब होता था। इस बारे में गाय को लेकर राजनीति करने वालों मुख कहीं कुछ सुनने को नहीं मिलता। गोरक्षक भी कहीं नहीं दिखाई पड़ते। गाय की अंतिम क्रिया सम्मानजनक हो इसके लिए भोपाल की नगरपालिका की पहल को चर्चा मिली है। भोपाल नगरपालिका ने गायों के लिए अलग से श्मशान घाट/मुक्तिधाम का प्रस्ताव रखा है। यह पहल सिर्फ इसलिए अच्छी नहीं है क्योंकि इससे धार्मिक भावनाएं जुड़ी हुई हैं, बल्कि इससे इधर-उधर फेंके गए शवों से होने वाली असुविधा से भी निजात मिलेगी। आज जबकि आबादी बढ़ने के साथ शहरों-कस्बों में खाली स्थानों की संख्या घटती जा रही है, शवों का निस्तारण बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया है। इसके निराकरण में भी यह पहल सहयोगी हो सकती है। इस विचार का विस्तार अन्य पालतू जानवरों के लिए भी किया जाए तो बुरा नहीं होगा। पालतू जानवर भी परिवार के अंग बन जाते हैं।''हाथी मेरे साथी','तेरी मेहरबानियां' जैसी हिन्दी फिल्मों में इंसान और जानवर के रिश्ते की संवेदनशीलता दर्शायी गई है। स्वच्छ भारत अभियान में भी इस भोपाल मॉडल को समाहित किया जा सकता है। आज जब लोग अपना शरीर दान कर रहे हैं, बेहतर होगा कि मृत पशुओं के उपयोग का भी एक सहज-सुलभ मॉडल बनाया जाए। सहज-सुलभ मॉडल समय की मांग है क्योंकि मृत पशुओं के निस्तारण का जिम्मा अभी तक एक जाति विशेष तक सीमित था। इसके अलावा, चील-गिद्ध जैसे मांसभक्षी पक्षी विलुप्त होने के कगार पर हैं, जिससे शवों को प्राकृतिक रूप से नष्ट होने प्रक्रिया भी शिथिल हो चुकी है। इसके कारण यहां-वहां फेंके गए पशु आसपास के क्षेत्रों के लिए परेशानी के सबब बन जाते हैं। आज जब गोहत्या की अफवाह भर से स्थानीय शांति भंग होने का खतरा उत्पन्न हो जाता है। ऐसे में कोई मृत लावारिस गाय किसी अनहोनी का कारण न बने, इस संदर्भ में गंभीर पहल की दरकार है। गो-मुक्तिधाम आगे का रास्ता दिखाने वाली पहल है।

सीरीज जीतकर दिखाया दम

इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहली बार टेस्ट और फिर वनडे सीरीज जीती है। इस तरह उसने विश्व की नंबर एक टीम का दावा और मजबूत किया। वहीं वनडे सीरीज जीतकर दिखाया कि वह कुछ माह बाद इंग्लैंड में होने वाले विश्व कप के लिए तैयार है। हालांकि इस तैयारी को लेकर पूरी तरह संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता है। फिर भी ऑस्ट्रेलिया को मांद में मात देने से मनोबल तो ऊंचा हुआ है, जो कि आगे काम आने वाला है। भारतीय कप्तान विराट कोहली के लिए यह पूरा दौरा इसलिए भी मायने रखता है क्योंकि यह पहली भारतीय टीम है, जो ऑस्ट्रेलिया दौरे से अजेय रहकर लौटी है। टीम इंडिया ने टी-20 सीरीज 1-1 से ड्रा खेलकर दौरे की शुरुआत की और फिर टेस्ट और वनडे सीरीज को 2-1 के अंतर से जीता। वनडे सीरीज शुरू होने पर एक समय लगा था कि टीम अभी विश्व कप के लिए तैयार नहीं है। सीरीज शुरू होने से पहले ही उसे हार्दिक पांड्या और लोकेश राहुल को घर लौटाए जाने के रूप में तगड़ा झटका लगा। टीम अभी इस झटके से उबर भी नहीं पाई थी कि पहले वनडे में टीम को हार का सामना करना पड़ा। लेकिन विराट सेना ने जिस जोरदार ढंग से सीरीज में वापसी की, उसने तमाम शंकाओं को दूर कर दिया है। पर कुछ सवाल अभी भी बाकी हैं, जिनका जवाब देने की जरूरत है। सवाल यह है कि क्या रोहित शर्मा और शिखर धवन की जोड़ी ही विश्व कप में ओपनिंग करेगी, या इस पोजिशन पर लोकेश राहुल को भी आजमाया जाएगा। वहीं पांचवें नंबर पर केदार जाधव खेलेंगे या उनकी जगह हार्दिक पांड्या लेंगे। पर इन सवालों का जवाब 23 जनवरी से शुरू होने वाली न्यूजीलैंड के साथ वनडे सीरीज के बाद और हार्दिक-लोकेश राहुल पर होने वाली कार्रवाई के बाद ही सही स्थिति का पता चलेगा। टीम में पिछले कुछ समय से चौथे नंबर पर शानदार प्रदर्शन कर रहे अंबाति रायुडू ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के पहले दो वनडे मैचों में सिर्फ 24 रन ही बनाने से उनकी स्थिति कमजोर हुई है। पर लगता है कि टीम प्रबंधन न्यूजीलैंड दौरे पर उन्हें खिलाकर उनकी फॉर्म को देखना चाहेगा। हां, यदि वह न्यूजीलैंड दौरे पर भी असफल रहते हैं तो ऋषभ पंत के नाम पर भी विचार किया जा सकता है। वहीं केदार जाधव ने मेलबर्न वनडे मैच जिताकर भारत का सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। लेकिन एक मैच के प्रदर्शन से उन्हें टीम में पक्का शायद ही किया जाए, इसके लिए न्यूजीलैंड दौरे पर भी उन्हें मौका देने की जरूरत है। हार्दिक टीम के लिए अपने विस्फोटक अंदाज की वजह से ज्यादा कारगर साबित हो सकते हैं। करण जौहर के कार्यक्रम कॉफी विद करण में महिलाओं के खिलाफ अनुचित टिप्पणी करके अपने को फंसा ला लिया है। बीसीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष सीके खन्ना ने प्रशासकों की समिति को लिखकर कहा है कि जब तक इन दोनों क्रिकेटरों पर कोई कार्रवाई करने का फैसला नहीं हो जाता है, इनको खेलने की छूट दे दी जाए। इस सीरीज में यजुवेंद्र चहल का भी जलवा देखने को मिला। चहल को पहले दो मौके पर नहीं खेलाया गया पर तीसरे में मौका मिलते ही वह यह साबित करने में सफल हो गए कि वह ही नंबर एक स्पिनर हैं। उन्होंने 42 रन पर छह विकेट लेकर भारत की जीत की कहानी ही नहीं लिखी, बल्कि ऑस्ट्रेलिया में सबसे अच्छा वनडे प्रदर्शन करने वाले स्पिनर भी बन गए हैं। लगता है कि कुलदीप-यजुवेंद्र विश्व कप के लिए पहली पसंद की स्पिन जोड़ी है। टीम का पेस अटैक पहले से सर्वश्रेष्ठ है। ये हालात विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद बंधाते हैं।

फोटोग्राफी...

प्रो कुश्ती लीगः हरियाणा हैमर्स ने एमपी योद्धा को रोमांचक मैच में 4-3 से हराया

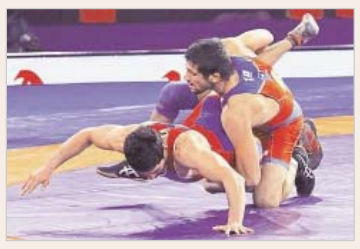

लुधियाना। पिछले साल विश्व अंडर-23 चैम्पियनशिप के रजत पदकधारी रवि कुमार ने शनिवार को यहां प्रो कुश्ती लीग मैच के पुरूष 57 किग्रा वर्ग में संदीप तोमर को हराकर हरियाणा हैमर्स को एमपी योद्धा पर 4-3 से जीत दिलाई । यह इस साल की पीडब्ल्यूएल में हरियाणा हैमर्स की दूसरी जीत है। जूनियर विश्व चैम्पियन अनास्तासिया निचिता ने हरियाणा के लिये अहम बाउट जीती, उन्होंने पूजा ढांडा को 8-7 से शिकस्त दी। इससे पहले 2018 विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदकधारी अली शाबानोव ने 86 किग्रा में एमपी योद्धा के दीपक को हराकर हरियाणा हैमर्स को 1-0 से आगे कर दिया। एमपी योद्धा की कोलंबियाई पहलवान आंद्रिया ओलाया ने फिर महिला 76 किग्रा बाउट में किरण को 6-3 से पराजित किया। दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर आ गई। हाजी अलियेव ने 65 किग्रा में रजनीश को 5-2 से पराजित कर एमपी योद्धा को आगे कर दिया। इसके बाद महिला 62 किग्रा वर्ग में हरियाणा की तातयाना ओमेलचेंको ने योद्धा की एलिसे मोनोलोवा को 6-5 से पराजित किया। अब दोनों टीमें 2-2 से बराबरी पर थीं। एमपी योद्धा के वासिल मिखेलोव ने पुरूष 74 किग्रा वर्ग में हरियाणा के प्रवीण राणा को 7-6 से मात दी।

कर्बर बनी उलटफेर का शिकार, बार्टी ने शारापोवा को किया बाहर

मेलबर्न। विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी एंजेलिक कर्बर रविवार को यहां पहली बार आस्ट्रेलियाई ओपन में खेल रही खिलाड़ी से हारकर बाहर हो गयी जबकि एशलीग बार्टी ने मारिया शारापोवा को हराकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मारग्रेट कोर्ट पर बेहद गर्मी के बीच जर्मनी की विंबलडन चैंपियन कर्बर को अमेरिका की डेनिली कोलिन्स ने एक घंटे से भी कम समय में 6-0, 6-2 से करारी शिकस्त दी। विश्व में 35वें नंबर की कोलिन्स ने अपने अधिकतर मैच अमेरिकी कालेज व्यवस्था में खेले हैं और वह पहली बार मेलबर्न पार्क में खेलने के लिये उतरी है।

इस साल से पहले उन्होंने कभी ग्रैंडस्लैम मैच नहीं जीता था। कोलिन्स अंतिम आठ में पांचवीं वरीयता प्राप्त सलोनी स्टीफन्स या रूस की एनेस्तेसिया पावलिचेनकोवा से भिड़ेगी। बार्टी भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही। उन्होंने शारापोवा को 4-6, 6-1, 6-4 से हराकर इस रूसी खिलाड़ी का 2014 फ्रेंच ओपन के बाद पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। आस्ट्रेलिया की यह 15वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अब चेक गणराज्य की आठवीं वरीय पेत्रा क्वितोवा से भिड़ेगी जिन्होंने अमेरिका की 17 वर्षीय अमांडा अनिसीमोवा को 6-2, 6-1 से पराजित किया। पुरुष वर्ग में अमेरिका के फ्रांसिस टिफोउ ने बुल्गारिया के 20वें वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव को चार सेट के कड़े मुकाबले में 7-5, 7-6 (8/6), 6-7 (1/7), 7-5 से हराया।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा ने झारखंड को हराकर हाकी अंडर-21 लड़कियों का खिताब जीता

पुणे। हरियाणा ने रविवार को यहां झारखंड को 3-0 से हराकर खेलो इंडिया यूथ गेम्स की हाकी प्रतियोगिता में अंडर-21 लड़कियों का खिताब जीता। इससे पहले पंजाब ने ओडिशा को 2-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। हरियाणा ने मध्यांतर तक 2-0 की बढ़त बना ली थी। उसकी तरफ से महिमा चौधरी, अमनदीप कौर और अमरिंदर कौर ने गोल किये। कांस्य पदक के लिये खेले गये मैच में पंजाब ने काजल के दो गोल की मदद से जीत दर्ज की। ओडिशा की तरफ से एकमात्र गोल रोजिता कुजुरू ने किया।

विजेंदर के बाद विकास की धमक, पेशेवर मुक्केबाजी में पहली बाउट जीते

नई दिल्ली : भारतीय मुक्केबाज विकास कृष्ण ने पेशेवर सर्किट में जीत से शुरूआत की और न्यूयार्क में अमेरिका के स्टीव एंद्रादे को तकनीकी नाकआउट से पराजित किया। एंद्रादे का अनुभव छह मुकाबलों का है जिसमें उनका रिकार्ड 3-3 का है। यह उनका लगातार चौथी हार थी और इससे पिछली हार उन्हें नवंबर 2017 में मिली थी। विकास ने महान बॉब अरूम के टॉप रैंक प्रोमोशंस से करार किया है। उन्होंने छह दौर के सुपर वेल्टरवेट मुकाबले में पदार्पण किया। न्यूयार्क में स्टोन रिजार्ट कैसिनो में हालांकि यह बाउट शुक्रवार रात तक केवल दो राउंड तक ही चली। विकास ने बाउट के बाद ट्वीट किया, ''मैंने अपनी पदार्पण बाउट जीत ली। आप सभी के समर्थन का शुक्रगुजार हूं।

जर्मन लीग : लीप्जिग को मात देकर टॉप पर बरकरार डॉर्टमंड

बर्लिन। बोरुशिया डॉर्टमंड ने शनिवार रात यहां जर्मन लीग के 18वें दौर के मैच में आर.बी लीप्जिग को 1-0 से हराकर तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। इस अहम जीत के बाद तालिका में पहले पायदान पर मौजूद डॉर्टमंड के 45 अंक हो गए हैं जबकि लीप्जिग 31 अंकों के साथ चौथे स्थान पर काबिज है। दूसरे पायदान पर काबिज बायर्न म्यूनिख के 39 अंक हैं। समाचार एजेंसी एफे के अनुसार, इस मैच में डॉर्टमंड के कप्तान मार्को रोइस चोटिल होने के कारण नहीं खेले और स्ट्राइकर पाको अल्कासेर भी मैच के अंतिम कुछ मिनटों के लिए ही मैदान पर नजर आएं। डॉर्टमंड ने हालांकि, मेहमान टीम के मैदान पर दमदार शुरुआत की और 19वें मिनट में ही बढ़त बना ली। बेल्जियम के मिडफील्डर एलेक्स विट्सल ने 18 गज के बॉक्स के अंदर से दाएं पैर से दमदार गोल दागा। दूसरे हाफ में 48वें मिनट में मेजबान टीम को बराबरी का गोल करने को एक मौका मिला लेकिन मार्सेन सेबिट्जर गेंद को गोल में नहीं डाल पाए।

भारत के अलावा इंग्लैंड भी है 2019 के वर्ल्ड कप का प्रबल दावेदारः शास्त्री

स्पोर्ट्स डेस्क। टीम इंडिया ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे का सुखद अंत किया। विराट कोहली के नेतृत्व वाली टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोई सीरीज नहीं हारी। टी20 अंतरराष्ट्रीय में सीरीज 1-1 से बराबर रही। टेस्ट सीरीज में भारत ने 2-1 से बाजी मारी और फिर वनडे सीरीज भी विराट ब्रिगेड ने 2-1 से अपने नाम की। भारतीय टीम का ऑवरऑल प्रदर्शन शानदार रहा। ऐसे में टीम इंडिया के हेड कोच रवि शास्त्री का मानना है कि तीन से चार ऐसी टीमें हैं, जो 2019 विश्व कप खिताब की प्रबल दावेदार हैं। कोच शास्त्री ने भारतीय टीम के अलावा इंग्लैंड की टीम को भी विश्व कप खिताब जीतने का प्रबल दावेदार बताया है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के साथ एक वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में शास्त्री ने कहा, तीन से चार टीमें हैं, जो विश्व कप चैंपियन बन सकती हैं। मगर यह निर्भर करता है कि आप टूर्नामेंट की शुरुआत कैसे करते हैं। अगर हमने शुरुआत में लय हासिल की तो टीम इंडिया बहुत ही खतरनाक है क्योंकि हमें दर्शकों का भारी समर्थन प्राप्त है और चीजें भी हमारे पक्ष में हैं। उन्होंने आगे कहा, हमारे पास ऐसी टीम है जो किसी भी परिस्थिति में आगे बढ़ सकती है और ऐसा कोई मिनट नहीं जब मैं कुछ उल्टा विचार करूं। हमारे खिलाड़ी भी ऐसा सोचते हैं, लेकिन यह देखना जरूरी है कि वह दबाव को कैसे झेलते हैं। शांत रहकर वह अपनी योजनाओं का क्रियानवयन कर सकते हैं। शास्त्री से जब ये पुछा गया कि क्या इंग्लैंड विश्व चैंपियन बन सकता है तो शास्त्री ने कुछ यूं जवाब दिया, जी हां बिलकुल। मैंने अब तक जो इंग्लैंड की टीमें देखीं हैं, उनमें से यह सर्वश्रेष्ठ है। वह उन खिलाड़ियों पर ध्यान दे रही है, जो इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ हैं। वह मौके पर प्रदर्शन करके विरोधी टीम को चित करने का दम रखती है। आपके पास संतुलन हैं। हमने पिछले साल इंग्लैंड के दौरे पर ध्यान दिया और जाना कि उनकी बल्लेबाजी में गहराई है। कई खिलाड़ी दोहरी प्रतिभा के धनी हैं। इंग्लैंड के पास ऐसे पांच से छह खिलाड़ी हैं, जिनके हाथों में आप किसी भी समय गेंद थमा सकते हैं। यही एक टीम के रूप में आपकी जरूरत होती है।

आस्ट्रेलियन ओपन : नडाल ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

मेलबर्न ।

वर्ल्ड नंबर-2 स्पेन के राफेल नडाल ने रविवार को यहां दमदार प्रदर्शन करते हुए साल के पहले ग्रैंड स्लैम आस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। नडाल ने चौथे दौर में चेक गणराज्य के थॉमस बर्डिख को सीधे सेटों में 6-0, 6-1, 7-6 (7-4) से शिकस्त दी। उन्होंने 11वीं बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। रॉड लेवर एरेना में खेला गया यह मुकाबला केवल दो घंटे और पांच मिनट तक ही चला। 17 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नडाल ने अपनी ताकत और तेजी का सही उपयोग करते हुए बेहतरीन शुरुआत की और विपक्षी खिलाड़ी को पहले सेट में एक भी गेम जीतने का मौका नहीं दिया। दूसरे सेट में भी नडाल ने अपने खेल के स्तर में कमी नहीं आने दी। बर्डिख दूसरे सेट में केवल एक अंक ही हासिल कर पाए। हालांकि, तीसरे सेट में दर्शकों को रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। बर्डिख ने स्पेनिश दिग्गज को परेशानी में डाला और तीसरे सेट को टाई-ब्रेकर तक ले गए लेकिन अंतिम क्षणों में उन्होंने गलतियां की जिसके कारण नडाल 7-4 से जीत दर्ज करने में कामयाब रहे।

सुधा और रावत ने विश्व चैंपयनशिप का क्वालीफाईंग मार्क हासिल किया

मुंबई।

एशियाई खेलों की पदक विजेता सुधा सिंह ने महिलाओं और नीतेंद्र सिंह रावत ने पुरूषों के वर्ग में रविवार को यहां टाटा मुंबई मैराथन में भारतीयों में पहला स्थान हासिल करके दोहा में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफाईंग मार्क को भी हासिल किया। महिला वर्ग में सुधा सिंह भारतीयों में शीर्ष पर रही। उन्होंने दो घंटे, 34 मिनट और 56 सेकेंड का समय लिया जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है। यह आईएएएफ के सितंबर अक्टूबर में होने वाली दोहा विश्व चैंपियनशिप के दो घंटे, 37 मिनट मे क्वालीफाईंग मार्क से भी कम है। एशियाई खेल 2010 और 2018 में क्रमशः स्वर्ण और रजत जीतने वाली यह 3000 मीटर स्टीपलचेज की एथलीट ओवरआल आठवें स्थान पर रही। उनका इससे पहले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2:35:35 था जो उन्होंने 2015 में बीजिंग विश्व चैंपियनशिप में बनाया था। तब वह 19वें स्थान पर रही थी। ज्योति घाटे (2:45:48) भारतीय महिलाओं में दूसरे और जिगमेट गोल्मा (3:10:42) तीसरे स्थान पर रही। पुरुष वर्ग में रावत ने दो घंटे 15 मिनट 52 सेकेंड का समय निकालकर भारतीयों में पहला स्थान हासिल किया। वह विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफाईंग मार्क दो घंटे 16 मिनट से कम समय निकालने में भी सफल रहे। पिछले साल भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ रहे गोपी ठोकनाल को ऐंठन के कारण नुकसान हुआ और वह दो घंटे 17 मिनट तीन सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रहे। करण सिंह को तीसरा स्थान मिला।

बुमराह विश्व क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ यार्कर फेंकने वाले गेंदबाजः अकरम

नयी दिल्ली।

बांये हाथ के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में शुमार वसीम अकरम ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए कहा कि मौजूदा क्रिकेटरों में उनका यार्कर सबसे सटीक है। अकरम अपने समय में सटीक यार्कर फेंकने के लिए जाने जाते थे। ऑस्ट्रेलिया में भारत टीम ने पहली बार टेस्ट श्रृंखला में जीत दर्ज की जिसमें बुमराह ने अहम भूमिका निभायी थी। अकरम ने कहा, ''मौजूदा समय में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेल रहे क्रिकेटरों में जसप्रीत बुमराह का यार्कर सबसे सटीक और सर्वश्रेष्ठ है।'' स्विंग के सुल्तान के नाम से पहचाने जाने वाले इस गेंदबाज ने कहा कि एकदिवसीय विश्व कप के दौरान अंतिम ओवरों वह अंतर पैदा करेंगे। अकरम ने कहा, ''बुमराह का गेंदबाजी एक्शन शानदार है। दूसरे तेज गेंदबाजों से बिल्कुल अलग एक्शन होने के बाद भी वह गेंद को स्विंग करते हैं और पिच पर टप्पा खाने के बाद उनकी गेंद काफी तेजी से निकलती है।'' यूएई में होने वाले आगामी 10पीएल टेनिस बॉल टूर्नामेंट के ब्रांड दूत के तौर पर यहां पहुंचे अकरम ने कहा, '' जो चीज बुमराह को खास बनाती है, वह है नियमित यार्कर फेंकने की उनकी काबिलियत। यार्कर का इस्तेमाल सिर्फ एकदिवसीय में नहीं होता, टेस्ट में भी होता है। मैंने और वकार (यूनस) ने अपने समय में टेस्ट में इसका काफी इस्तेमाल किया।'' उन्होंने भारत को ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला जीतने वाली पहली एशियाई टीम होने पर बधाई देते हुए कहा कि यह बड़ी उपलब्धि है।।अकरम ने कहा, '' ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला जीतना बहुत बड़ी उपलब्धि है। मैं इस बात को नहीं मानूंगा की ऑस्ट्रेलिया की टीम कमजोर थी। विराट (कोहली) और उनके खिलाड़ियों से उनका श्रेय वापस मत लिजिए। उन्होंने प्रदर्शन में जो निरंतरता दिखायी है वह काबिलेतारीफ है।''

विराट कोहली वनडे में सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज : माइकल क्लार्क

नयी दिल्ली।

विराट कोहली ने अपनी बल्लेबाजी से खेल के हर प्रारूप में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी और आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का मानना है कि भारतीय कप्तान ''एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने वाला सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है।'' कोहली अभी टेस्ट और वनडे में विश्व के नंबर एक बल्लेबाज हैं। उनकी अगुवाई में भारत ने आस्ट्रेलिया में टेस्ट और वनडे श्रृंखलाएं जीतकर इतिहास रचा। इससे पहले भारतीय टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला बराबर करायी थी। इस तरह से भारत पहली ऐसी टीम बन गया है जिसने आस्ट्रेलिया में श्रृंखला नहीं गंवायी और इस बीच कोहली ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। आस्ट्रेलिया के पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान क्लार्क ने कहा, ''मेरा मानना है कि विराट एकदिवसीय क्रिकेट में खेलने वाला सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है। भारत के लिये उन्होंने जो कुछ हासिल किया उसको देखने के बाद मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है।'' कोहली ने अब तक 219 वनडे में 10,385 रन बनाये हैं जिसमें 39 शतक शामिल हैं। उनका औसत 59 से भी अधिक है। कोहली के प्रशंसक क्लार्क ने कहा कि इस 30 वर्षीय क्रिकेटर के जुनून का कोई जवाब नहीं है। उन्होंने कहा, ''आपको अपने देश के लिये जीत दर्ज करने के विराट के जुनून का सम्मान करना होगा। हां उसमें आक्रामकता है लेकिन कोई भी उसकी प्रतिबद्धता पर सवाल नहीं उठा सकता। वह वनडे में सर्वश्रेष्ठ है।'' कोहली जहां लगातार उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं वहीं उनके पूर्ववर्ती कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की वर्तमान फार्म को लेकर क्रिकेट जगत की राय भिन्न है। धोनी अब वनडे में पहले की तरह आक्रामक शैली से नहीं खेलते हैं लेकिन क्लार्क का मानना है कि इस 37 वर्षीय पूर्व भारतीय कप्तान को अपना खेल खेलने के लिये अकेला छोड़ देना चाहिए। क्लार्क ने कहा, ''धोनी जानता है कि किसी परिस्थिति में किस तरह से खेलना है। उन्होंने 300 से अधिक वनडे खेले हैं, इसलिए वह जानते हैं कि अपनी भूमिका कैसे निभानी है।''

टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज - आनंद और विदित नें खेला ड्रॉ, अनीश गिरि, और कार्लसन की दूसरी जीत

(एजेंसी)।

विज्क आन जी, नीदरलैंड (निकलेश जैन) में चल रहे साल के सबसे प्रतिष्ठित सुपर ग्रांड मास्टर शतरंज टूर्नामेंट में से एक टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज में एक दिन के विश्राम के बाद हुए राउंड 6 के 7 मुकाबलों में 3 मैच में परिणाम आए तो चार मैच अनिर्णीत रहे । भारत के दोनों खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद और विदित गुजराती नें अपने अपने मुक़ाबले ड्रॉ खेले और अभी भी सयुंक्त दूसरे स्थान पर बने हुए है । आनंद ने रूस के इयान नेपोनियची से ड्रॉ खेला तो विदित गुजराती नें सेमूयल शंकलंद से ड्रॉ खेला । जबकि आज मेजबान नीदरलैंड के अनीश गिरि नें प्रतियोगिता में दूसरी जीत दर्ज की सयुंक्त बढ़त हासिल कर ली उन्होने पोलैंड के जान डूड़ा को पराजित किया । मौजूदा विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन नें अजरबैजान ममेद्यारोव को पराजित किया तो अब तक लगातार हार का सामना कर रहे मेजबान देश के वांन फॉरेस्ट जॉर्डन नें रूस के व्लादिमीर फेडोसीव को पराजित कर दिया । छह राउंड के बाद 4 अंको के साथ मेगनस कार्लसन ,अनीश गिरि ,नेपोनियची और चीन के डींग लीरेंन सबसे आगे चल रहे है जबकि 3.5 अंको पर आनंद और विदित सयुंक्त दूसरे स्थान पर है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : बिना आई-कार्ड पहुंचे रोजर फैडरर को गार्ड ने रोका

मेलबर्न । टेनिस के सर्वकालिक महान खिलाडियों में से एक रोजर फेडरर को उस समय असहज स्थिति का सामना करना पड़ा जब ऑस्ट्रेलियाई ओपन का एक्रीडिटेशन कार्ड (मान्यता पत्र) नहीं होने के कारण सुरक्षाकर्मी ने उन्हें रोक दिया। ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब छह बार जीतने वाले फेडरर ने भी हालांकि सुरक्षाकर्मी का सम्मान किया और वहीं रूक गए। इसके थोड़े समय बाद ही फेडरर के कोचिंग दल का एक सदस्य उनके कार्ड के साथ पहुंचा जिसके बाद ही फेडरर को अंदर जाने की अनुमति मिली। सुरक्षाकर्मी का फेडरर को रोकने का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी प्रचलित हो रहा जिसमें लोग सुरक्षाकर्मी और फेडरर दोनों के बर्ताव की तारीफ कर रहे हैं।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स : टॉप पर रहा महाराष्ट्र, जीते 228 पदक

पुणे । मेजबान महाराष्ट्र 228 पदकों के साथ पुणे में रविवार को सम्पन्न हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2019 की पदक तालिका में टॉप पर रहा। हरियाणा को दूसरा और दिल्ली को तीसरा स्थान मिला। महाराष्ट्र ने कुल सबसे अधिक 85 स्वर्ण, 62 रजत और 81 कांस्य पदक जीते। हरियाणा ने कुल 178 पदक मिले। उसके खाते में 62 स्वर्ण, 56 रजत और 60 कांस्य आए। दिल्ली ने 136 पदक जीते, जिनमें 48 स्वर्ण, 37 रजत और 51 कांस्य शामिल हैं। कर्नाटक को 77 पदक मिले। उसने 30 स्वर्ण, 28 रजत और 19 कांस्य जीते। इसी तरह तमिलनाडु को कुल 87 पदक मिले। उसके खाते में 27 स्वर्ण, 35 रजत तथा 25 कांस्य आए। उत्तर प्रदेश ने 23 स्वर्ण, 25 रजत और 40 कांस्य पदकों के साथ कुल 88 पदक जीते। इसके बाद पंजाब (72), गुजरात (39), पश्चिम बंगाल (44) तथा केरल (58) का स्थान है। भारत सरकार के खेल एवं युवा मामलों के मंत्रालय द्वारा आयोजित इन खेलों में 29 राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों के 6000 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

सूरत एयरपोर्ट पर घने कोहरे के कारण तीन फ्लाईट डायवर्ट

दो फ्लाइटों को अहमदाबाद जबकि एक को मुंबई भेजा

सूरत। सोमवार को सुबह सूरत एयरपोर्ट के उपर घना कोहरा होने और विजिब्लिटी कम होने के कारण हजारों की लेंडींग नहीं की जा सकती थी इस सूरत में एयरपोर्ट द्वारा इन तीनों फ्लाईटों को दुसरी जगहों पर डाइवर्ट कर दिया गया जिससे इनमें सवार मुसाफिरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सूरत एयरपोर्ट के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह शहर में घना कोहरा और हवा की दिशा उत्तर के बदले दक्षिण दिशा होने के कारण एयरपोर्ट के उपर घना कोहरा छा गया। सुबह का समय होने से रनवे के उपर विजिब्लिटी कम होने के कारण फ्लाइट लेन्डिंग नहीं की जा सकती थी। शेडयुल में एयर इंडिया दिल्ली-सूरत फ्लाइट सुबह ७.०५ बजे सूरत लेन्ड होनी थी लेकिन इस फ्लाइट को अहमदाबाद डायवर्ट कर दिया गया जो अहमदाबाद से 11.30 बजे सूरत आई। स्पाईस जेट की दिल्ली-जयपुर-सूरत फ्लाइट ७.४५ बजे सूरत आने के बदले मुंबई डायवर्ट करने के कारण 11.35 बजे सूरत लेन्ड हुई। इंडिगो दिल्ली-सूरत फ्लाइट को भी अहमदाबाद डायवर्ट कर्रा दिया गया। सुबह के समय सूरत ऐयरपोट उपर तीन फ्लाइट लेट होने से मुसाफिरों को भारी मुसिबतों का सामना करना पड़ा।

10 हजार फूट ऊंचाई पर फ्लाइट में बेहोश महिला को इलाज कर बचाया

सूरत। सूरत की एक महिला को 10000 फूट ऊंचाई पर उड़ी रही फ्लाइट में सहयात्री चिकित्सक ने इलाज कर बचा लिया। महिला चिकित्सक भी सूरत निवासी है। जानकारी के अनुसार रविवार की शाम दिल्ली से सूरत फ्लाइट में सूरत की एक महिला यात्रा कर रही थी। फ्लाइट करीब 10000 फूट की ऊंचाई पर थी, उस वक्त महिला अचानक बेहोश हो गई। सदभाग्य से फ्लाइट में एक महिला चिकित्सक मौजूद थी, जिसके करीब 30 मिनट के उपचार से महिला यात्री स्वस्थ हो गई। महिला यात्री को बचानेवाली चिकित्सक सूरत सिविल होस्पिटल की परी कापडिया थी। परी कापडिया ने कहा कि सामान्य रूप से नोर्मल शुगर लेवल 100 से 120 के बीच होता है। यदि यह लेवल 60 पर पहुंच जाए तो खतरे का संकेत है और 56 के नीचे पहुंचने पर मरीज की मौत भी हो सकती है। फ्लाइट में बेहोश हुई महिला का ब्लडप्रेशर काफी लो हो गया था।

30 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी सूरत में अलग-अलग तीन कार्यक्रमों में होंगे शामिल

प्रधानंत्री सूरत इन्टरनेशनल ऐयरपोर्ट टर्मिनल का करेंगे उद्धघाटन

सूरत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस महीने के अंत में क बाह फिर गुजरात में आऐंगे। आगामी 30 जनवरी को पीएम मोदी दक्षिण गुजरात में रहेगे। सूरत और नवसारी में ये अलग-अलग चार कार्यक्रमों में हाजिर रहेंगे। जिसमें सूरत थी इन्टरनेशनल फ्लाइट, बानगी होस्पिटल का लोकार्पण, दांडी यात्रा का बना हुआ गांधी म्युजीयम और प्रोफेशनलों के साथ संवाद कार्यक्रमों में हाजिर होंगे। मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी आने वाली 30 जनवरी के दिन दक्षिण गुजारत में आने वाले है। पीएम मोदी दिल्ली से दोपहर 1.30 बजे सूरत ऐयरपोर्ट पर आएंगे, जहां से सूरत इन्टरनेशनल ऐयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी का अलग-अलग संस्थाओं द्वारा स्वागत किया जाएगा। इन्टरनेशनल फ्लाइट का लोकार्पण करने के बाद पीएम मोदी एयरपोर्ट से रामपुरा जाएंगे। पीएम रामपुरा में नई बनी विनस होस्पिटल का उद्धघाटन करेंगे। इस कार्यक्रम को पूण करने के बाद दोपहर में रामपुरा से सूरत ऐयरपोर्ट आएंगे और यहा से हेलिकोप्टर द्वारा नवसारी के दांडी जाएगे। दाड़ी में 150 करोड़ रुपये की लागत से बने महात्मा गांधी की म्युजियम का लोकार्पण पीएम मोदी अपने हाथों से करांगे।

आंदोलन की आड़ में लोगों को भड़काने का प्रयास न किया जाए :जेसीपी

सूरत। सूरत के संयुक्त पुलिस आयुक्त एचके पटेल ने पाटीदारों को नसीहत दी है कि वे आंदोलन की आड़ में लोगों को भड़काने का प्रयास नहीं करें। पुलिस का संयम टूटा तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल से पुलिस ने बल प्रयोग करने के बजाए आपराधिक तत्वों को समझा का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि यदि आरोपी को गिर तार किया जाता है तो लोगों को भीड़ स्वरूप पुलिस थाने एकत्र होने से भी बचना चाहिए। सूरत जेसीपी एचके पटेल कथित वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा कि ऐसा माहौल पैदा किया जा रहा है कि किसी सामाजिक अग्रणी ने अपने पूरा जीवन पाटीदार समाज की सेवा में खपा दिया और अपनी संपत्ति समाज पर न्यौछावर कर दी है। अपनी मांगों के लिए आंदोलन करना सभी को अधिकार है।

बेमौसम बारिश की वजह से काफी नुकसान

कच्छ सहित सौराष्ट्र में किसानों को काफी नुकसान

गांधीधाम । कच्छ के पूर्व क्षेत्रों में सुबह से वातावरण में अचानक बदल जाने की घटना सामने आई थी । जिसकी वजह से दोपहर के समय में अचानक बारिश शुरू हो गई । करीब आधे घंटे तक बारिश होने से रोड और रास्तों पर बारिश का पानी बहने लगा । अचानक बारिश बारिश होने से गांधीधाम के लोगों ने बारिश का मजा लिया ।

महत्वपूर्ण है कि, कच्छ सहित जामनगर में भी सुबह से वातावरण में बादल छाया रहा था । दोपहर के समय करीब ३० मिनट तक बारिश हुई । जिसकी वजह से बड़ी संख्या में शहर के मार्गों पर पानी आने लगा । हाईवे पर जा रहे वाहनों को भी बारिश की वजह से भारी परेशानी का सामना करना पड़ा । बेमौसम बारिश होने की वजह से किसानों को बड़ी संख्या में फसल का नुकसान हुआ है, किसानों को जीरा और सर्दियों की फसल को काफी नुकसान हुआ है । इस प्रकार के बेमौसम बारिश की वजह से किसानों की चिंता बढ़ गई है । अब दूसरी तरफ पोरबंदर में भी बेमौसम बारिश होने से किसानों में फसल को लेकर चिंता बढ़ गई है । लोगों में बारिश की वजह से बारिश का मजा लिया तो दुसरी और किसानों की चिंता और बढ़ा दी गई है । अचानक बारिश होने की वजह से किसानो की फसल को भी नुकसान देखनो को मिल रहा है ।

हिन्दु धर्म की पौष पूर्णिमा के सुपर मून ने आर्कषित किया।

मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने दी प्रतिक्रिया

जो समाज दिव्यांग के प्रति संवेदनशील नहीं है वह पूरा समाज दिव्यांग है

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने स्पष्ट रूप से बताया है कि, समाज की सामाजिक जिम्मेदारी निभाना और समाज के संपूर्ण उत्थान के लिए प्रतिबद्ध बनना ही हमारा असली नागरिक धर्म है राज्य सरकार समाज के संपूर्ण -समरस और समान विकास के लिए प्रतिबद्ध है । मुख्यमंत्री सुरेन्द्रनगर में सीयू. शाह ब्लाइंड महिला सेवा कुंज आयोजित २५वीं विवाह महोत्सव में उपस्थित हुए । उन्होंने यह लड़कियों का कन्यादान भी किया । जो समाज की दिव्यांग की चिंता नहीं करता यह समाज ही दिव्यांग है । दिव्यांग के प्रति संवेदना के साथ उनको भी समाज के मुख्यप्रवाह में लाने की यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है यह वहन करने के लिए हमें प्रतिबद्ध बनना है यह मुख्यमंत्री ने बताया । मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने भाषण में बताया कि, दिव्यांग संतान हरएक परिवार के लिए हमेशा चिंता का विषय होता है ऐसे हरएक परिवार को हम सहानभूति देकर यह संतान सिर्फ परिवार का नहीं लेकिन पूरे समाज का है इसे समाज के मुख्यधारा में लाने के लिए हमें हमेशा प्रयत्नशील रहना चाहिए राज्य सरकार दिव्यांग के संपूर्ण उत्थान के लिए हमेशा प्रयत्नशील है । इनके पढ़ाई के लिए होस्टल सुविधा सहित की व्यवस्था करने के लिए राज्य सरकार का सकारात्मक दृष्टिकोण है । राज्य सरकार ने समाज में शिक्षा का दायरा बढ़े इसके लिए कई कल्याणकारी योजना लागू की गई है । इस अवसर पर मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने बताया है कि, वाइब्रेंट समिट को आज पूरा विश्व में ध्यान में ले रहा है यह मेगा इवेंट गत दिन पूरी हुई और आज मुझे संवेदनशील समारोह में उपस्थित होकर कन्यादान करने का हुआ यह मेरे जीवन के लिए हमेशा मंगल घडी है और मेरे जीवन का सुखद यादगार बना रहेगा ।

शहीदों के प्रति ऋण अदा करने का मौका

३०जनवरी को पूरे देश में शहीदों की याद में दो मिनट का मौन

अहमदाबाद । भारत के स्वतंत्रता की लड़ाई में अपने प्राण का बलिदान दिया है ऐसे शहीदों की याद में ३० जनवरी, २०१९ को शहीद दिवस सुबह में ११ बजे दो मिनट का मौन रखकर अपने देश के लिए प्राण गंवाने वाले शहीदवीरों के के प्रति ऋण अदा किया जाएगा । पूरे देश में संभव हो इतने प्रमाण में कामकाज और वाहनव्यवहार की गति को यह दो मिनट तक बंद रखने के लिए गुजरात सरकार के प्रशासनिक विभाग द्वारा बताया गया है । ३० जनवरी, २०१९ को सुबह में १०.५९ से ११ बजे तक सायरन बजाया जाएगा । सायरन बंद हो तुरंत ही जहां कार्य करते हो ऐसे सभी स्थलों पर काम करने वाले सभी अपनी-अपनी जगह पर शांत खड़े होकर, संभव हो तो मिलकर, मौन रखे, जहां संभव हो तो वहां वर्कशोप, कारखाना और ऑफिसों का कामकाज बंद रखा जाए । आकाशवाणी दो मिनट अपना कार्यक्रम बंद रखे और रास्तों पर वाहनव्यवहार संभव हो वहां तक रूके यह देखने की विनंती की गई है । इसके साथ-साथ ११ बजे रवाना होती ट्रेनों और विमानों को अपने अड्डे पर दो मिनट के लिए रूके यह देखने की विनंती की गई है । मौन का समय पूरा हुआ है यह बताने के लिए बराबर ११:०२ से ११:०३ घंटे तक सायरन फिर से बजेगा अब रोजाना के अनुसार कामकाज फिर से शुरू करे । जिस स्थलों पर सायरन या अन्य कोई संकेत की व्यवस्था नहीं है वहां सुबह में ११ बजे दो मिनट मौन रखने के लिए संबंधित लोगों को जानकारी देता आदेश सभी संबंधित कार्यालयों को जारी करना पड़ेगा । यहां उल्लेखनीय है कि, गांधीनगर में भी सायरन की व्यवस्था की गई है इसके अनुसार सचिवालय, सरकीट हाउस, प्रेस, विधानसभा और गांधीनगर योजना भवन पर सायरन रखी गई है यह सायरन को निश्चित समय पर बजाया जाएगा । शहीदों के प्रति ऋण अदा करके मौन रखने के इस अवसर को गौरवशाली बनाने में सहयोग देने के लिए सभी से अपील की गई है ।

मोदी सरकार ने देश को 25 साल पीछे किया: अहमद पटेल

अहमदाबाद । लोकसभा चुनाव-२०१९ की तैयारियों को लेकर सोमवार को अहमदाबाद शहर में कांग्रेस की महत्व की कारोबारी बैठक हुई थी । इस कारोबारी में उपस्थित हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय दिग्गज नेता और राज्यसभा सांसद अहमद पटेल ने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया । इस अवसर पर अहमद पटेल ने गुजरात और केन्द्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि, खुद भाजपा के लोग ही कहते है कि, इस बार हार जाएंगे तो २०० वर्ष तक सत्ता में नहीं आयेंगे । मोदी सरकार ने देश को २५ वर्ष पीछे कर दिया है और राज्य और देश के लोगों को बरबाद कर दिया है । राममंदिर मुद्दे पर अहमद पटेल ने बताया कि, हमारा स्टेंड क्लीयर है । राममंदिर मामले में कोर्ट का फैसला कांग्रेस को मंजूर रहेगा । लोकसभा चुनाव में गुजरात की सभी २६ सीटें जीतने का प्रयास करेंगे ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**